जूट के विविध उत्पादों पर कौशल विकास प्रशिक्षण

09 अक्टूबर, 2023, कोलकाता:

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) कटिहार, बिहार द्वारा वित्त पोषित "जूट विविध उत्पादों के निर्माण" पर सात दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण का आज यहां आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में उद्घाटन किया गया।

निदेशक डॉ. डी.बी. शाक्यवार ने प्रशिक्षु प्रतिभागियों का स्वागत किया और जूट फाइबर के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और उससे विविध मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्माण के लिए संस्थान द्वारा विकसित की गई नवीनतम तकनीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बिछुआ, भांग और भीमल फाइबर जैसे अज्ञात प्राकृतिक रेशों के महत्व के बारे में भी बताया।

श्री एस.के. झा, उप निदेशक, एटीएमए, कटिहार, बिहार ने इस प्रकार के कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आईसीएआर-निनफेट के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने यह भी कहा कि कटिहार से सटे अन्य जिलों के किसान भी इस कौशल विकास प्रशिक्षण को लेने के इच्छुक हैं।

डॉ. एल.के. प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग के प्रमुख नायक ने एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध के मद्देनजर आज के बाजार में जूट विविध उत्पादों के अवसरों के बारे में बात की है।

इस शुभ अवसर पर गणमान्य अतिथियों द्वारा एक प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. वी.बी.शंभू द्वारा किया गया। इन सात दिवसीय प्रशिक्षण में दो अधिकारियों सहित सैंतीस (37) प्रतिभागी शामिल हुए हैं।

(सूत्र: आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

Skill Development Training on Jute Diversified Products

October 09, 2023, Kolkata:

A seven days skill development training on “Manufacture of Jute Diversified Products” funded by Agricultural Technology Management Agency (ATMA) Katihar, Bihar was inaugurated here today at ICAR-NINFET, Kolkata.

Dr. D. B. Shakyawar, Director has welcomed the trainee participants and highlighted upon the recent technologies developed by the institute for quality production of jute fibre and manufacture of diversified value-added products there from. He also spoke about the significance of unexplored natural fibres like nettle, hemp and bhimal fibre.

Mr. S.K. Jha, Deputy Director, ATMA, Katihar, Bihar has complemented the efforts of ICAR-NINFET for imparting this type of skill development trainings. He also said that the farmers from other districts adjacent to Katihar are also keen in taking this skill development trainings.

Dr. L.K. Nayak, Head, Transfer of Technology Division has spoken about the opportunities of jute diversified products in today’s market with a view to the ban on single use plastics.

On this auspicious occasion, a training manual was released by the dignitaries. The programme was coordinated by Dr. V. B. Shambhu, Principal Scientist & Course Director of the training. Thirty-seven (37) participants including two officials have joined these seven days training.

(Source: ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)

कार्यक्रम की झलकियाँ Glimpses of the Programme